13.3.26	पत्रावली पेश हुई. प्रार्थी उपस्थित अप्रार्थी उपस्थित, मूल वाद में डिक्री जारी हो जाने से, प्रकरण मे और कोई कार्यवाही शेष नहीं रहने से पत्रावली फैसल शुमार कोकटनम्बर से कम किया जावे पत्रावली मूल वाद के साथ संलग्न रहे।